मासिक ई–न्यूजलेटर

अंक 4, जनवरी 2021

शिक्षा के गोठ

स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

अपनों से बात.....

नव वर्ष का आगमन हम सभी के लिए एक सुखद पल होता है। सभी लोग नव वर्ष का स्वागत के साथ ही साथ नव वर्ष की सुखद कल्पना करते हैं। मैं भी यही कामना करता हूं कि इस कोविड-19 वैश्विक महामारी से हमें जल्दी ही मुक्ति मिले जिससे हम भय मुक्त हो और स्वस्थ रह सकें। समस्त कार्य शैली पूर्ववत हो जाए, स्कूल खुले, बच्चों की पढ़ाई पूर्ववत जारी हो सके।

कोरोना काल में आई इस विषम परिस्थितियों का सामना स्कूल शिक्षा विभाग ने विभिन्न नवाचारी प्रक्रियाओं का उपयोग कर सफलतापूर्वक किया। बच्चों की शिक्षा जारी रखने राज्य शासन द्वारा तैयार "पढ़ई तुँहर दुआर" कार्यक्रम "मील का पत्थर" साबित हुआ। राज्य में अंग्रेजी माध्यम के सरकारी शालाओं ने भी सरकारी स्कूलों की परंपरागत छवि से बिलकुल अलग एक नया स्वरूप देते हुए लीक से हटकर सोचने का अवसर दिया।

बच्चों के मध्याह्न भोजन के मामले में भी छत्तीसगढ़ ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए आगे भी लाकडाउन की अवधि में बच्चों को भोजन देने का कार्य व्यवस्थित रूप से जारी रखे जाने की तैयारी कर रखी है। आगे बच्चों को घर पर रहकर सीखने का अवसर देने हेतु विभिन्न कक्षाओं में बच्चों को घर पर रहकर उपयोग करने हेतु अभ्यास पुस्तिकाएँ उपलब्ध कराने की तैयारी कर ली गयी है।

आशा है नए वर्ष में स्कूल खुलने पर हम सभी इस दौरान सीखे हुए बातों यथा आनलाइन कक्षाओं को आफलाइन के साथ मिलाकर ब्लेंडेड एप्रोच से सिखाना जारी रखेंगे, समुदाय द्वारा इस दौरान सीखने हेतु शाला सारथी एवं स्थान देने हेतु की गई पहल पूर्ववत जारी रहेगी और विभिन्न स्तरों पर नवाचारों को लागू करने की परंपरा आगे भी जारी रखेंगे।

नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ.....

जितेन्द्र शुक्ला

संचालक

लोक शिक्षण संचालनालय

प्रबंध संचालक, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

संपादकीय

व्यक्ति के समग्र विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षा जीवन के प्रत्येक पहलू को समझने के लिए आवश्यक है। वैश्विक करोना महामारी काल में बच्चों की पढ़ाई और शिक्षा के लिए चिंतन के साथ विभिन्न नवाचारी प्रयास किए जा रहे हैं। "पढ़ई तुँहर दुआर" के अंतर्गत बच्चों के बीच सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में शिक्षा विभाग के साथ ही साथ समुदाय सहभागिता द्वारा अपना योगदान दिया जा रहा है। इस महामारी की विषम परिस्थितियों को भी हमने अवसर में बदलने का प्रयास किया है किन्तु इस बीच बच्चों ने जो सीखा उससे आत्मतुष्टि कर पाना संभव नहीं है।

कक्षा 1 से 5 तक के शत-प्रतिशत बच्चों में हिंदी और गणित विषयों की बुनियादी दक्षताएँ/कौशलों को सौ दिनों में हम कैसे विकसित कर पाएंगे इसके लिए एक रणनीति तैयार की गई है जिसमें कक्षाओं को तीन समूहों में वर्गीकृत कर बुनियादी दक्षताओं का निर्धारण किया गया है। कक्षा पहली और दूसरी, कक्षा तीसरी से पाँचवी तथा कक्षा छठवीं से आठवीं तक प्रत्येक समूह के बच्चों में इन सौ दिनों में चिन्हांकित दक्षताओं को विकसित करना ही हमारी सफलता है चूँकि हम सभी पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि ***'इतना तो मेरे बच्चे कर ही सकते हैं।'*** मुझे विश्वास है सकारात्मक सोच हमें महत्वपूर्ण व अनुकूल परिणाम देंगे।

नव वर्ष की असीम शुभकामनाओं के साथ .....

डी.राहुल वेंकट

संचालक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल प्राथमिक कक्षा के बच्चों के अंग्रेजी वार्ता से हुए अभिभूत

मुख्यमंत्री ने किया आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय जशपुर का निरीक्षण:

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज जशपुर प्रवास के दौरान यहाँ डीपाटोली स्थित आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का निरीक्षण किया। विद्यालय के चौथी एवं दूसरी कक्षा के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत से मुख्यमंत्री का स्वागत किया और अंग्रेजी माध्यम स्कूल स्थापना के लिए धन्यवाद दिया। बच्चों ने जशपुर के ऐतिहासिक और पुरातात्विक धरोहर तथा पर्यटन स्थल की जानकारी बहुत ही सहज तरीके से आपसी संवाद के माध्यम से प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने प्राथमिक कक्षा के नन्हे बच्चों के मुख से धारा प्रवाह अंग्रेजी सुनकर अभिभूत हुए। उन्होंने बच्चों को शाबाशी देते हुए खूब पढ़ाई कर जशपुर का नाम रोशन करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने स्कूल के प्रयोगशाला, स्टाफ रूम सहित विभिन्न कक्षाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने स्कूल के प्राचार्य श्रीमती सरोज संगीता भोई से शिक्षकों की भर्ती तथा ऑनलाईन क्लास के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अभी कोविड-19 के कारण स्कूल नहीं खुलेंगे लेकिन ऑनलाईन क्लास निरंतर जारी रखें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त शिक्षकों से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएँ दीं और कहा कि जिस उद्देश्य से इस स्कूल की स्थापना की गई है उसे पूरा करने में आप लोगों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

इस दौरान जिले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अमरजीत भगत, उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव एवं कुनकुरी विधायक श्री यू डी मिंज, लैलूंगा विधायक श्री चक्रधर सिंह सिदार, धरमजयगढ़ विधायक श्री लालजीत सिंह राठिया, रायगढ़ विधायक श्री प्रकाश नायक, जशपुर विधायक श्री विनय भगत, कमिश्नर सुश्री जे किंडो, पुलिस महानिरीक्षक श्री रतन लाल डांगी, कलेक्टर श्री महादेव कावरे, पुलिस अधीक्षक श्री बालाजी राव सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

cgschool.in के माध्यम से आयोजित सर्वे का परिणाम

सर्वे का उद्देश्य:

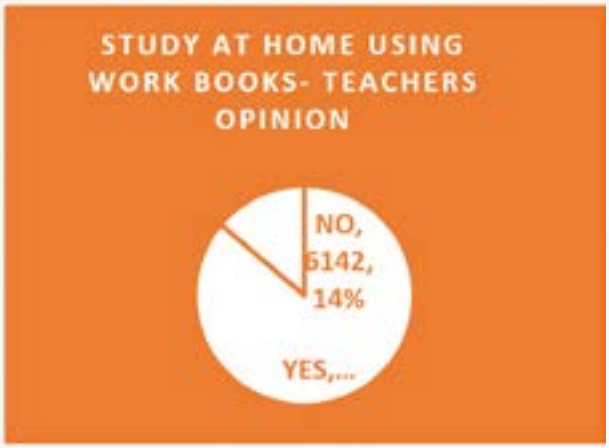

राज्य में अधिकांश गाँवों में "पढ़ई तुँहर दुआर" के अंतर्गत बच्चों को विभिन्न नवाचारी तरीकों से सीखना जारी रखने में सहयोग किया जा रहा है। निकट भविष्य में स्कूलों के खुलने के बारे में अभी भी संशय की स्थिति है। ऐसे में क्या हमारे द्वारा बच्चों को घर पर रहकर अभ्यास करने एवं शिक्षकों द्वारा समय समय पर सहयोग कर उनके द्वारा घर पर किए जा रहे कार्यों की मानिटरिंग करने, आवश्यकतानुसार समर्थन देने हेतु बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाएँ एवं विभिन्न सामग्री उपलब्ध कराते हुए सीखना सुगम किया जा सकता है, इस जानकारी को लेते हुए बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाएँ देने के संबंध में आवश्यक जमीनी हकीकत के बारे में जानने हेतु इस सर्वे का आयोजन किया जा रहा है।

विद्यार्थियों के लिए प्रश्न: यदि आपको घर पर रहकर विभिन्न विषयों के लिए अभ्यास पुस्तिकाएँ एवं पढ़ने के लिए बहुत सी सामग्री दी जाए तो क्या आप घर पर रहते हुए पढ़ना चाहेंगे?

विकल्प एक –38389 हाँ (86%)

विकल्प दो –6142 नहीं (14%)

शिक्षकों के लिए प्रश्न: स्कूल खुलने में अभी भी संशय की स्थिति है। ऐसे में क्या हम बच्चों को अभ्यास पुस्तिकाएँ एवं घर पर पढ़ने एवं अभ्यास करने योग्य सामग्री देते हुए उनके द्वारा इन अभ्यासों को निर्धारित समय पर पूरा करने, किये गए कार्यों का आकलन करने एवं आवश्यकतानुसार समर्थन हेतु व्यवस्था बनाने से पढ़ाई में हो रहे नुकसान को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा?

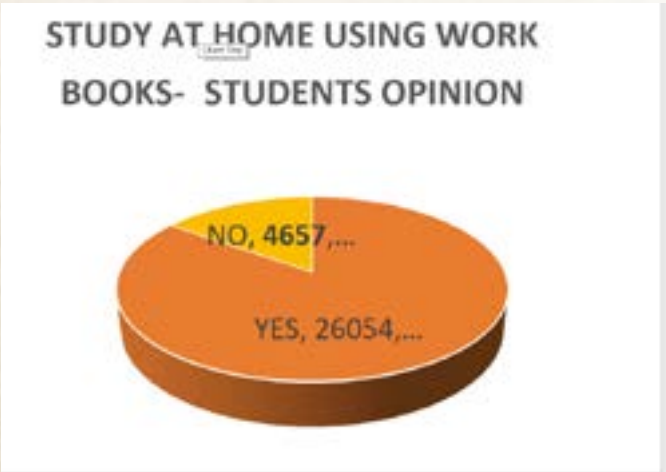

विकल्प एक–26054 हाँ (85%)

विकल्प दो –4657 नहीं (15%)

अधिकांश विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बच्चों को सीखने हेतु घर पर रहकर अभ्यास पुस्तिकाओं एवं वर्कशीट्स आदि के माध्यम से सीखना सुगम करने पर जोर दिया है।

प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन

कोविड लॉकडाउन के दौरान बच्चों को सीखने में दिया जा रहा सहयोग

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कोरोना संकट काल में मार्च माह से विद्यालयों के बंद होने की स्थिति में बच्चों को शैक्षणिक गतिविधियों से निरंतर जोड़े रखने हेतु अनेक प्रयास किये गए। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन भी इन प्रयासों में शिक्षा विभाग के साथ मिलकर प्रयासरत रही जिसका विवरण इस प्रकार है-

पढ़ाई तुँहर द्वार योजना -

राज्य शासन द्वारा इस योजना के माध्यम से बच्चों को विभिन्न शैक्षणिक सामग्री ऑनलाइन (पीडीऍफ़/ऑडियो/वीडियो) माध्यम से उपलब्ध करवाने हेतु मुहीम प्रारंभ की। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन ने भी कक्षा 1 से कक्षा 10 तक के बच्चों हेतु ऑनलाइन कंटेंट "पढ़ाई तुँहर द्वार" पोर्टल पर अपलोड किये। वर्तमान में गणित और विज्ञान के लगभग 250 वीडियो cgschool.in पर बच्चों हेतु उपलब्ध हैं। प्रथम के डिजिटल पोर्टल prathamopenschool.org और pradigi app पर 3000 से भी ज्यादा वीडियो बच्चों के लिए उपलब्ध हैं।

पढ़ाई तुँहर पारा योजना–

राज्य शासन द्वारा अगले चरण में इन्टरनेट और स्मार्ट फ़ोन की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा को सभी बच्चों तक पहुँचाने के उद्देश्य से "पढ़ाई तुँहर पारा" योजना लायी गयी। इस योजना के अंतर्गत शिक्षकों द्वारा मोहल्ला कक्षा का संचालन और गाँव के पढ़े - लिखे युवाओं को वालंटियर के रूप चिन्हांकित कर मोहल्ला कक्षा नियमित रूप से लगाने का प्रयास किया गया। प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन, समुदाय में विगत 2 वर्षों से "हमारा गाँव कार्यक्रम" के अंतर्गत वालंटियर के माध्यम से 258 गाँव में कक्षा संचालन का कार्य कर रहा है, जिसका प्रत्यक्ष लाभ बच्चों को प्राप्त हो रहा है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए प्रथम संस्था 52 के प्रतिनधियों द्वारा मोहल्ला कक्षा का संचालन किया जा रहा है और लगभग 550 शिक्षकों को मोहल्ला कक्षा संचालन के लिए प्रेरित किया गया एवं सहयोग दिया जा रहा है साथ ही चयनित 258 ग्रामों के 1050 वालंटियर के मोबिलाईज व प्रशिक्षित कर उनके माध्यम से भी मोहल्ला कक्षा का संचालन किया जा रहा है। क्योंकि छोटे बच्चे मोहल्ला कक्षा में शामिल नहीं हो पा रहे थे इसलिए प्रथम संस्था ने 2000 से ज्यादा माताओं का भी प्रशिक्षण किया ताकि वह घर में ही बच्चों की मदद कर सकें।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत ही प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा कोरोना काल में बच्चों को शिक्षा और रचनात्मक कार्यों से जोड़े रखने के उद्देश्य से "करोना थोड़ी मस्ती थोड़ी पढ़ाई" कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत बच्चों तक, समुदाय और शिक्षकों के व्हाट्स एप्प ग्रुप के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोचक और रचनात्मक वीडियो व टास्क साझा किये जाते हैं, बच्चों द्वारा इन टास्क को पूर्ण करने में बहुत रूचि दिखाई गयी है। वर्तमान में 250 गाँव तक यह टास्क पहुँच रहे हैं और अब तक 8691 बच्चों द्वारा इन रोचक टास्क में सहभागिता प्रदान की गयी है। इसके साथ ही स्मार्ट फ़ोन की सीमित उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए SMS के माध्यम से भी कंटेंट बच्चों तक पहुँचाया जा रहा है। पढ़ाई तुँहर पारा योजना को प्रथम के "करोना थोड़ी मस्ती थोड़ी पढ़ाई" के रोचक टास्क और भी बल प्रदान कर रहे हैं।

लाउडस्पीकर स्कूल

शिक्षकों द्वारा सभी बच्चों तक शिक्षा पहुँचाने हेतु "लाउडस्पीकर स्कूल" कार्यक्रम शुरु किया गया है। इस कार्यक्रम में ग्रामों में लाउडस्पीकर स्थापित कर इनके माध्यम से बच्चों के साथ शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। प्रथम के प्रतिनिधियों द्वारा भी गाँव के सरपंच/शिक्षा समिति इत्यादि से संपर्क कर ग्रामों में लाउडस्पीकर की व्यवस्था की जा रही है। कुछ क्षेत्र विशेष में जहाँ यह कार्य संभव नहीं हो रहा वहां इसके पूरक के रूप में ग्रामों में अलग–अलग स्थान में ब्लैक बोर्ड निर्माण किया जा रहा है जिसमें शिक्षकों/समुदाय के माध्यम से टास्क व कार्य दिए जाते हैं। 200 से ज्यादा ग्राम इन कार्यों से लाभान्वित हो रहे हैं।

डाइट के साथ पार्टनरशिप-कोरोना संक्रमण के कारण राज्य के अधिकांश संस्थाएं कुछ दिनों तक बंद रही हैं। इस परिस्थिति में डाइट धमतरी और प्रथम संस्था ने मिलकर डाइट के लगभग 100 छात्राध्यापकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया है। प्रशिक्षण उपरांत लगभग 100 डाइट छात्राध्यापकों द्वारा गांवों में मोहल्ला कक्षा संचालित की जा रही है, जिसके द्वारा लगभग 1500 बच्चों को प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है। वर्तमान में संकुल समन्वयकों द्वारा इन मोहल्ला कक्षाओं हेतु ब्लैक बोर्ड उपलब्ध कराये गए हैं जिससे छात्राध्यापकों का उत्साहवर्धन हुआ है।

शैक्षणिक सामग्री निर्माण एवं वितरण –

शिक्षा विभाग द्वारा डिजिटल माध्यम से प्रिंट करके बच्चों को पढ़ने एवं हल करने के लिए शैक्षणिक सामग्री भेजी जा रही है। प्रथम संस्था भी इस कार्य में अपना सहयोग दे रहा है और अपने द्वारा निर्मित शैक्षणिक सामग्री को शिक्षा विभाग के साथ साझा कर रही है ताकि राज्य के सभी बच्चे लाभान्वित हो पाएँ।

माह विशेष

- *पढ़ई तुँहर दुआर कार्यक्रम को इलेट्स, 2020 अवार्ड में डिजिटल गवर्नेंस केटगरी में अवार्ड आफ एक्सीलेंस सम्मान*
- *प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के लिए तैयार वेब पेज से परिचित करवाने एवं विभिन्न प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी द्वारा अपने कार्यों को साझा करने 6/12/2020 को एक वेबीनार का आयोजन जिसमें नौ हजार पाँच सौ से अधिक शिक्षकों ने सहभागिता की एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत खिलौना निर्माण हेतु पीएलसी को जिम्मेदा_रियाँ एवं समूह निर्माण।*
- *हमारे संविधान पर शिक्षकों को जानकारी देने हेतु "वी द पीपल " के साथ मिलकर वेबीनारों की श्रंखला में 9/12/2020 को द्वितीय वेबीनार का आयोजन एवं शिक्षकों को संविधान की जानकारी देने आवश्यक सामग्री का लिंक साझा किया।*
- *“हमारे नायक” ब्लॉग में अंग्रेजी के बाद अब छत्तीसगढ़ी में भी ब्लॉग लेखन प्रारंभ। नए वर्ष से संस्कृत एवं विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में द्विभाषी ब्लाग प्रारंभ करने की तैयारी।*
- *हमारे नायक के अब तक के सफ़र एवं इसमें स्थान पाने की प्रक्रिया का विवरण, हमारे नायक में स्थान पाने के बाद उनके द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों आदि की जानकारी आपस में साझा करने दिनांक 17/12/2020 को वेबीनार का आयोजन।*
- *प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी को अपना विवरण हमारे वेबसाईट में अपलोड करने हेतु एक नए पेज का निर्माण कर जानकारी की प्रविष्टि हेतु साझा किया।*
- *बस्तर जिले में एलेक्सा गुरूजी की प्रसिद्धि एवं उपयोगिता को देखते हुए अमेजन नामक कंपनी ने बस्तर के स्कूलों के लिए आठ सौ अलेक्सा उपकरण देकर बच्चों को इनके उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया।*

आडियो-वीडियो से निखर रहे छात्र.....

20 जून 2019 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेश बघेल जी ने पाटन जिला दुर्ग के मर्रा स्कूल जहां से उन्होंने अपनी शिक्षा प्रारंभ की थी, वहीं से दीक्षा एप्प को लाँच किया। शिक्षक एवं छात्रों ने इसे खूब पसंद किया और इस लाँचिंग के दौरान यह भी बताया कि दीक्षा की यह यात्रा सहज नहीं बल्कि चुनौतीपूर्ण रही। छत्तीसगढ़ शासन ने शिक्षा मंत्रालय के साथ जब हाथ मिलाया तब सबसे बड़ा लक्ष्य हमारे सामने था- कक्षा 1 से कक्षा 10वीं तक के प्रत्येक विषय की प्रत्येक पाठ के लिए उच्च गुणवत्ता वाली पठन सामग्री छत्तीसगढ़ के शिक्षकों, विद्यार्थियों के लिए विकसित करना।

कार्यशालाओं के माध्यम से भी शिक्षकों ने अपनी समस्या हमारे सामने रखीं कि उनके पास पाठ्य पुस्तकों से बाहर की अतिरिक्त पाठ्य सामग्री उपलब्ध नहीं है। इस कारण से पाठ्य पुस्तकों में दी गई विषय वस्तुओं से संदर्भित सामग्री विद्यार्थियों तक पहुंचाना टेढ़ी खीर है। शिक्षकों की इस व्यथा के निवारण हेतु तथा वास्तविकता से रूबरू होते हुए परिषद् ने दीक्षा एप्प की चुनौतियों को दरकिनार करते हुए शिक्षकों एवं विषय विशेषज्ञों के साथ मिलकर उत्कृष्ट शैक्षणिक कंटेन्ट (आडियो वीडियो) निर्माण का बीड़ा उठाया जिसमें क्षेत्रीय बोलियों व भाषाओं को भी शामिल किया गया।

यहाँ यह बताना भी उचित होगा कि सारे कंटेन्ट ओपन प्लेटफार्म/पब्लिक डोमेन पर उपलब्ध हैं जिसके कारण इन्हें देखने/सुनने हेतु किसी तरह का सदस्यता शुल्क लागू नहीं है। एप्प में संकलित संपूर्ण पाठ्य सामग्री का निःशुल्क उपयोग किया जा सकता है। कंटेन्ट को एक बार डाउनलोड करके भी इन साम_ग्रियों को देखा जा सकता है। रैपिडेक्स के तर्ज पर बने इन वीडियोज को जो नहीं देख सकते वे आडियो के माध्यम से सुनकर लाभान्वित होंगे, इस तरह से दिव्यांग बच्चे भी देख/सुन सकते हैं।

जहाँ नेटवर्क की समस्या है, उन क्षेत्रों को ध्यान में रखकर बुल्टू के बोल कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है जिसमें ब्लू-टूथ के माध्यम से विद्यार्थियों को पाठ्य वस्तु आडियो लेसन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस हेतु स्मार्टफ़ोन की अनिवार्यता नहीं है। यह सामान्य फीचर फोन पर भी कार्य करता है।

यह उल्लेखनीय है कि प्रत्येक अध्याय के अंत में मांग के आधार पर पाठ्य वस्तु आधारित आकलन के प्रश्न दिए गए हैं जिससे छात्र स्वतंत्र रूप से बिना किसी समस्या के अपना आकलन कभी भी और कहीं भी कर सकता है।

इस तरह से परिषद् जुगाड़ स्टूडियो के माध्यम से सभी विषयों के सभी पाठों का आडियो-वीडियो छात्रों तक पहुँचाने के लिए संकल्पित है।

"पढ़ई तुँहर दुआर" योजना के सबसे लोकप्रिय कॉलम हमारे नायक की लोकप्रियता के बढ़ते चरण में नये वर्ष की शुरुआत संस्कृत भाषा के ब्लॉग से

"पढ़ई तुँहर दुआर" कार्यक्रम अपने शुरुआती चरण से ही शिक्षकों के अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखने में खरी सिद्ध होती रही है। छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को देश के प्रधानमंत्री एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के द्वारा समय-समय पर सराहना मिलती रही हैं। कोरोना संकट में लॉकडाउन के दौरान विगत आठ महीनों से शिक्षकों और बच्चों का ऑनलाइन और ऑफलाइन अध्ययन में योगदान सभी के समक्ष प्रस्तुत होता रहा है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में "पढ़ई तुँहर दुआर" योजना के अंतर्गत अच्छा कार्य कर रहे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला के मार्गदर्शन पर सीजीस्कूल की वेबसाइट के मुखपृष्ठ पर हमारे नायक कॉलम में प्रतिदिन एक शिक्षक और एक विद्यार्थी की कहानी का प्रकाशन किया जाता है। "हमारे नायक" कॉलम "पढ़ई तुँहर दुआर" कार्यक्रम का सबसे सफल चरण के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका है, जिसके अंतर्गत राज्य भर के उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक योगदान के लिए हमारे नायक में चयन होने का अवसर प्राप्त होता है। हमारे नायकों के उत्कृष्ट कार्य को लिखित रूप में प्रदर्शित करने हेतु हिंदी एवं अंग्रेजी के ब्लॉग लेखक कार्य कर रहे हैं। हमारे नायक के आठवें चरण से अब ब्लॉग लेखन का कार्य हिंदी और अंग्रेजी के साथ संस्कृत भाषा में भी नये वर्ष के पहले दिन से प्रारंभ किया जा रहा है। इसके साथ ही बहुत जल्द छत्तीसगढ़ के अलग- अलग क्षेत्रीय बोलियों में भी ब्लॉग पढ़ने को मिलेगा।

हमारे नायक के ब्लॉग लेखक की टीम अपनी सफलता की चरम सीमा पर कार्य करते हुए आज इस नव वर्ष 2021 के प्रथम दिवस को हमारे नायक में संस्कृत भाषा में ब्लॉग लेखन का कार्य प्रारंभ हो गया है। इसके अंतर्गत "पढ़ई तुँहर दुआर" की वेबसाइट हमारे नायक कॉलम में 1 जनवरी 2021 को संस्कृत भाषा का प्रथम ब्लॉग शिक्षक संवर्ग का बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिले के सक्रिय शिक्षक वेदव्यास गंगराले और विद्यार्थी संवर्ग में प्रथम ब्लॉग सरगुजा संभाग के सरगुजा जिले के विशेष आवश्यकता वाले प्रतिभाशाली छात्र महेश सिंह का हिंदी अनुवाद के साथ उपलब्ध रहेगा। शिक्षक का ब्लॉग, ब्लॉग लेखक श्रीमती डॉ.तरूणा सिंह जबकि विद्यार्थी का ब्लॉग श्रीमती दीपलता देशमुख के द्वारा लिखा गया है।

विदित हो कि हमारे नायक हेतु ऐसे शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का चयन किया जाता है, जिनके कार्य जिले में सबसे बेहतर और उत्कृष्ट होते हैं। अभी तक विभिन्न चरणों से गुजरते हुए हमारे नायक अपने आठवें चरण में सफलतापूर्वक पहुँच चुका है। हर बार अलग-अलग चुनौतीपूर्ण थीम के साथ कार्य करते हुए प्रदेश के शिक्षकों ने अपनी काबिलियत का समय-समय पर लोहा मनवाया है।

प्रत्येक माह हमारे नायकों का चयन दिए गए थीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के आधार पर ही किया जा रहा है। इसके लिए समय-समय पर एक लिंक विभिन्न व्हाट्स एप और टेलीग्राम ग्रुपों के माध्यम से राज्य भर में साझा किया जाता है, जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के कार्यों की विस्तृत जानकारी उन्हीं के द्वारा पूर्ण कर भेजा जाता है। एक साथ पूरे राज्य भर के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की जानकारियों की समीक्षा कर जिलेवार सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एक शिक्षक और एक विद्यार्थी को हमारे नायक के रूप में स्थान प्रदान किया जाता है। हाल ही में आयोजित राज्य स्तरीय वेबीनार 'चलो पढ़ते हैं, पढ़ाते हैं एक सफर शिक्षा का अधिकार' के अंतर्गत राज्य भर के कुछ चुनिंदा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपना अनुभव साझा किया। इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य यही था कि हम अपने आस-पास के उत्कृष्ट कार्य करने वाले साथियों से प्रेरित होकर और बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए कार्य करें।

हमारे नायक के आगामी चरणों में और भी अलग-अलग थीम पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षक और विद्यार्थियों का नायक के रूप में चयन करने की योजना है, जैसे- "पढ़ई तुँहर दुआर" कार्यक्रम की विभिन्न योजनाओं के संचालन तथा मॉनिटरिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी संवर्ग, स्वयं से कुछ अलग नवाचार करने वाले शिक्षक, बेहतर कार्य संचालन करने वाले पीएलसी की टीम लीडर्स, वे बच्चे जो अपने गाँव का इतिहास लिख रहे हों, वे बच्चे जो विज्ञान के प्रयोग को बहुत अच्छे से समझाने लगे हों इत्यादि।

हमारे राज्य भर के शिक्षकों के द्वारा किए जा रहे कार्य देशभर में छत्तीसगढ़ की शिक्षा प्रणाली की लोकप्रियता को बढ़ाते जा रहे हैं। इस कोरोना जैसी विषम परिस्थिति में शैक्षणिक सत्र वर्ष 2020-21 को संभालने हेतु छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा किये जा रहे कार्य सराहनीय है। जल्द ही हमारे नायक कॉलम में स्थानीय भाषाओं में द्विभाषी ब्लॉग पढ़ने के लिए उपलब्ध होगा। इस भाषायी ब्लॉग लेखन की सफलता हेतु डॉ.एम. सुधीश, सहायक संचालक, समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ ने ब्लॉग लेखक टीम के नेतृत्वकर्ता गौतम शर्मा और सभी ब्लॉग लेखकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं हैं।

कोविड के दौरान बालिकाओं के ड्राप आउट को रोकना

बालोद

नाम: *श्रीमती नीलम कौर*

पता: शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटगाँव, गुंडरदेही

जिला: बालोद

मोबाइल नंबर: 9827109613

कार्य का विवरण

लड़कियों की शिक्षा में सहायता, लड़कियों की पढ़ाई छोड़ने पर रोक विशेष कर कोविड के दौरान बालिकाओं के ड्राप-आउट रोकने पर विशेष ध्यान नीलम कौर व्याख्याता अंग्रेजी (शा.उ.मा.वी.कोटगाओं बालोद की पढ़ने की आगे बढ़ने की शुरू से ही मन में बहुत इच्छा रही और स्वयं भी संघर्ष कर अपना मुकाम हासिल किया। उन्होंने यह तय किया है कि उनके जीवन काल में कोई भी लड़की अगर पढ़ना चाहती है तो पैसों के अभाव में अपनी पढ़ाई नहीं छोड़ेगी, जहाँ तक हो सकेगा वह उसकी मदद करेंगी और आज तक अनगिनत बेटियों की यथा संभव मदद करती आ रही हैं।

मार्च से लॉकडाउन में उन्होंने देखा कि कई बेटियां रूटीन बदलने के कारण पढ़ाई से विमुख होने लगीं थीं, उसके लिए लगातार फ़ोन से बातें जारी रखीं, उन्हें आगे पढ़ने के लिए हौसला दिया। उनके माता पिता से बात की कि बेटियों को शिक्षा से विमुख न होने दें, जिसका नतीजा यह भी हुआ कि कई बेटियां फिर से पढ़ने में अपना ध्यान लगाने लगीं उनको समझ में आया कि पढ़ाई कितनी जरूरी है उनके जीवन में नीलम उनसे सिर्फ शिक्षक ही नहीं दोस्त की तरह अपनी बातें करतीं हैं, जिसमे वे हमेशा अपनी बात समझाने में सफल भी रहीं हैं। ये जागरूकता अभियान मेरे पूरे कोरोना काल में चालू रहा और आगे भी चलता रहेगा। अपने स्कूल ही नहीं अपने आसपास अपने जानने वाली कई बेटियों को उन्होंने सही दिशा में लाने का भर पूर प्रयास किया, उनको समझाकर cgschool.in में उनका रजिस्ट्रेशन करवाया, जिनको किताबों की जरूरत रही उनको किताबें दिलवाई इस तरह कई बेटियों को वापस शिक्षा की ओर मोड़ने में सफल रहीं और बालिकाओं की शिक्षा के लिए यह आगे भी निरंतर कार्य करती रहेंगी।

कन्या शिक्षा की है, प्रबल समर्थक आप,
सबको यही समझा रही, बेटी नहीं अभिशाप।
सब पढ़ें सब बढ़ें, यही कहती नीलम कौर,
शिक्षा के अभाव में, कहीं नहीं ठौर।।

सूपा टोकरी बनाने वाले पारधी बच्चों को ड्राप आउट होने से बचाने मोहल्ला क्लास एवं शाला से जोड़ना

कांकेर

शिक्षक का नाम: निरंजनदास

पता: संकुल समन्वयक, संकुल चिचगांव, वि.ख.-भानुप्रतापपुर

जिला का नाम: कांकेर छ.ग.

मोबाइलनम्बर: 9406292037

कार्य का विवरण

पारधी पारा, कोर्राम पारा का एक पारा है, इस पारे में 16 पारधी परिवार रहते हैं, इनके 13 बच्चे हैं यह बच्चे शाला त्यागी हैं। इन बच्चों को शाला से जोड़ने हेतु मेरे द्वारा कई बार प्रयास किया गया। कोरोना काल में शाला अवकाश होने के बाद 16/03/2020 को मेरे मन में इन बच्चों के लिए कुछ करने की इच्छा हुई और मैं इनके पारा में आया, पालकों और बच्चों से मिला, बातें किया, बच्चे पढ़ने को तैयार हुए। मेरे द्वारा इन सभी 13 बच्चों के लिए कपड़े, पेन, पेंसिल, कापियां, जूते-मोजे देकर पेड़ के नीचे मोहल्ला क्लास शुरू किया। इस पारा में कोई शासकीय भवन नहीं हैं। खेल-खेल में इनके मन को जीतते हुए पढ़ना लिखना सिखाते गए और बच्चे पढ़ना-लिखना सीखते गए 28/06/2020 तक मोहल्ला क्लास के माध्यम से सीखने का प्रयास किया। इन बच्चों को निकट के शाला में प्रवेश दिलाया सम्बंधित संस्था के शिक्षकों के द्वारा प्रतिदिन पारधीपारा में मोहल्ला क्लास का संचालन किये जा रहे हैं अंततः मैं शालात्यागी बच्चों को शाला से जोड़ने में सफल हुआ।

शाला त्यागी बच्चों को शाला से जोड़ने की आशा मन में जगाया।
कोरोना का भय मन में समया।
बच्चों को शाला से जोड़ने की तरकीब जमाया।
कपड़े, पेन, पेंसिल, कॉपी, जूते मोज़े,
देकर बच्चों के मन को ललचाया।।
खेल-खेल में बच्चों को पढ़ाई की ओर लाया,
आज सभी बच्चे लगे हैं शाला से जुड़ने,
प्रतिदिन मोहल्ला क्लास आकर लगे हैं पढ़ने।

घर पर ही बना डाली प्रयोगशाला, हर घर प्रयोगशाला अभियान

महासमुंद

नाम: *श्रीमती संगीता पंडा*

पता: *मा. स. गो. उच्च प्राथमिक शाला, सरायपाली अंग्रेजी माध्यम*

जिला: *महासमुंद*

मोबाइलनंबर: *9669461458*

कार्य का विवरण

महासमुंद के सरायपाली ब्लॉक की शिक्षिका संगीता पंडा ने लॉकडाउन में बच्चों के घर को ही प्रयोगशाला में बदल दिया है। विज्ञान एक ऐसा विषय है जो प्रयोग व गतिविधियों के माध्यम से ना पढ़ाया जाये तो अवधारणा स्पष्ट नहीं हो पाती। इस कोरोना संकट काल में बच्चे अपने घर में सुरक्षित रहकर विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को रूचिपूर्वक सीखें व उनकी विषयवस्तु से संबंधित अवधारणा भी स्पष्ट हो इस के लिए शिक्षिका संगीता पंडा विज्ञान के सिद्धांतों से संबंधित आसान प्रयोगों को ऑनलाइन कक्षा के माध्यम से करके बताती हैं तथा व्हाट्स एप ग्रुप द्वारा भी आवश्यक निर्देश देती हैं।

बच्चे अपने घर पर ही बड़ी आसानी से इन प्रयोगों के माध्यम से सीखते हैं व उससे सम्बन्धित फोटो व वीडियो शिक्षिका के पास भेजते हैं और मजेदार बात यह है कि इन प्रयोगों को घर पर ही उपलब्ध सामग्री द्वारा बड़ी आसानी से किया जा सकता है, जैसे कि वाष्पन और संघनन की क्रिया, हल्दी एक प्राकृतिक सूचक, पदार्थों के पृथक्करण की विधियाँ, वायु में ऊष्मा का संवहन द्वारा स्थानांतरण, जल में ऊष्मा का संवहन, ऊष्मा का चालन, पदार्थों के भौतिक गुण, पौधों के अंग व उनके कार्य, उत्क्रमणीय और अनुउत्क्रमणीय अभिक्रियाएँ, पदार्थों की जल में विलेयता आदि। इस प्रकार ऑनलाइन माध्यम से पढ़ने के साथ-साथ बच्चे प्रयोगों के माध्यम से भी सीख रहे हैं और वह भी घर से ही।

राज्य स्तर से ऑडियो पाठ बनाकर बुल्टू के बोल के लिए उपलब्ध कराना

गौरेला, पेंड्रा मरवाही

नाम: श्रीमती स्वाति आनंद

पता : शा. पूर्व. मा. शाला हरिपुर खोडरी गौरेला

जिला: गौरेला,पेंड्रा मरवाही

मोबाइल: 9827189642

कार्य का विवरण

LOs पर शिक्षकों को सीखने स्टेट रिसोर्स ग्रुप बुल्टू के बोल सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण जैसे विषयों में 40 से अधिक ऑडियो निर्माण, पढ़ाई तुँहर द्वार द्वारा आयोजित वीडियो लेक्चर SCERT रायपुर द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन में शिक्षकों द्वारा गतिविधियों को कराए जाने के लिए मोहल्ला क्लास एक्टिविटी का निर्माण किया, साथ ही अपने स्कूल के बच्चों के लिए ऑनलाइन क्लास में विज्ञान को सरल व रोचक तरीके से सीखने के लिए आसपास की चीज़ों से ही सीखने के लिए जुड़े होने का प्रयास किया। इस पहल से पालकों ने भी शिक्षकों का साथ दिया, बच्चों के पालकों से मिलकर ऑनलाइन क्लास को सफल बनाने में SMC के सदस्यों के साथ गाँव के अन्य लोगों ने भी साथ दिया और इस तरह आज हर तरफ जहाँ स्कूल बंद है फिर भी बच्चों का सीखना बंद नहीं है।

तेरे सर पर धूप आई तो दरख्त बन गया मैं,

तेरी ज़िंदगी में अक्सर कोई वजह रहा हूँ मैं... -- *दुष्यंत*

इस तरह एक शिक्षक का साथ जीवन में हमेशा अपने छात्रों के साथ रहता है, जो हर मुसीबत में कभी सतह तो कभी छाया बनकर उनको विपरीत परिस्थियों से बचाता है।

लाउडस्पीकर स्कूल के माध्यम से बच्चों को स्पोकन इंग्लिश सिखाना

सरगुजा

नाम: बंदाना महथा

पता: शिक्षक, शास. पूर्व मा. शा. केशवपुर वि .ख. - अंबिकापुर,

जिला: सरगुजा

मोबाइलनंबर: 9993336001

कार्य का विवरण

मैंने ऑफलाइन कक्षा में लाउडस्पीकर स्कूल के माध्यम से कक्षा संचालित किया। मेरी कक्षा में पढ़ाने का मुख्य बिंदु अंग्रेजी में बातचीत करना सिखाना है जिसके लिए मैंने बच्चों को useless wrapper के माध्यम से अंग्रेजी में बातचीत करने की कला को सिखाने का प्रयास कर रही हूँ। कोरोना काल के दौरान मैंने ऑफलाईन कक्षा के लिए लाउडस्पीकर स्कूल चुना, चूँकि मेरे स्कूल में बच्चों की संख्या अधिक है और उनमें आपस में दूरियां भी रखनी थी तथा यह भी ध्यान रखना था कि सभी बच्चों तक मेरी आवाज़ पहुँच सके। इसके लिए मैंने खुले मैदान में माइक एवं साउंड सिस्टम के सहायता से अपनी अंग्रेजी की पाठशाला लगाई जिसमें मैंने useless wrapper जो हम रोजमर्रा के जीवन में उपयोग होने वाले चिजों का इस्तेमाल कर फेंक देते हैं, उसके माध्यम से उनको अंग्रेजी में बातचीत करना सिखाना प्रारंभ किया, जिसे बच्चे बहुत हद तक सीखने का प्रयास कर रहे हैं एवं शिक्षा में रोचकता लाने के लिए बहुत सारे रोचक गतिविधियाँ करवाती हूँ।

हम सबका एक ही नारा।

कोरोना से जंग अब हमारा।।

घूम -घूमकर पढ़ाई-लिखाई ।

तुँहर पारा हमर पारा।।

साक्षरता की दक्षता से प्रशिक्षित किए गए स्रोत व्यक्ति

व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास शिक्षा से ही संभव है। इसी तर्ज पर छत्तीसगढ़ ने भी कमर कस ली है। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग के मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम की अगुवाई में आने वाले समय में छत्तीसगढ़ भी शत प्रतिशत साक्षर होने की दिशा में साक्षरता कदम पढ़ना-लिखना अभियान पर रखकर प्रारंभ कर दिया है और जब हमारे साथ में प्रशासनिक सेवा कार्य के वरिष्ठ एवं शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे स्कूल शिक्षा के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला आईएएस का भी हमें बहुमूल्य योगदान एवं मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। मार्च 2021 तक प्रदेश में ढ़ाई लाख असाक्षरों को साक्षर करना एक चुनौती है। इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया, श्री डी. राहुल वेंकट आईएएस जो कि राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण एवं एससीईआरटी के संचालक हैं। राज्य स्तरीय चिन्हांकित स्रोत व्यक्तियों को प्रशिक्षित हेतु प्रशिक्षण 28-30 दिसंबर 2020 को "स्वान" के माध्यम से ऑनलाइन जिला एवं विकासखण्ड की संबद्धता के साथ संपन्न हुआ। प्रदेश भर में लगभग 500 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त किया जो कि आगे स्वयंसेवी शिक्षक को पढ़ना-लिखना अभियान के तहत् प्रशिक्षित करेंगे। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सहायक संचालक एवं पढ़ना-लिखना अभियान के नोडल अधिकारी ने इस अभियान के शुरू से अंत तक की संपूर्ण जानकारियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण के सहायक संचालक श्री दिनेश टांक ने प्रेरक गीत तथा अपने अंदाज में प्रतिभागियों के भीतर वातावरण निर्मित किया।

प्रशिक्षण में कोविड-19 से बचने ली गई शपथ

पढ़ना-लिखना अभियान अंतर्गत राज्य साक्षरता केन्द्र के समन्वयक प्रो. श्री करमन खटकर, एवं सदस्य श्री क्रांति सोनी के सानिध्य में प्रशिक्षण में प्रदेश भर के स्रोत व्यक्ति एवं उपस्थितजनों ने कोविड-19 के बचाव से संबंधित शपथ ली। शपथ लेख जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर के जिला परियोजना अधिकारी डॉ. कामिनी बावनकर द्वारा निर्मित था।

प्रौढ़ शिक्षा में नवाचारी गतिविधियाँ कैसे हो इस पर अपना बहुमूल्य योगदान शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी डॉ. एम. सुधीश का रहा। डॉ. सुधीश ने पढ़ना-लिखना अभियान के अंतर्गत शिक्षार्थियों के सीखने के आँकलन को भी स्पष्ट किया।

आज हम डिजिटल युग में जी रहे हैं हमें कोविड-19 ने शिक्षा में डिजिटल का उपयोग भी सिखा दिया है। यदि हम डिजिटल की बात करें और वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार श्री सत्यराज अय्यर को शामिल न करें तो सही नहीं होगा। इस प्रशिक्षण में श्री अय्यर द्वारा

प्रौढ़ों के सीखने के लिए शिक्षण पद्धति एवं प्रौढ़ साक्षरता में डिजिटल माध्यमों का उपयोग पर उपस्थितजनों के समझ को विकसित किया गया।

एस.सी.ई.आर.टी. के राज्य साक्षरता केन्द्र के सदस्य डॉ. विद्यावती चन्द्राकर एवं श्रीमती प्रीति सिंह ने प्रशिक्षण के क्रियान्वयन एवं प्रतिभागियों की फीडबैक पर सहभागिता रही। प्रशिक्षण में स्रोत व्यक्तियों की भूमिका तथा अभियान में आने वाले चुनौतियों पर पार कैसे पाया जाए, इस पर अत्यंत व्यावहारिक एवं बारीकियों को लेते हुए प्रतिभागियों को जमीनी स्तर पर कार्य करने तथा स्वयंसेवी शिक्षक को करने के लिए डॉ. मंजीत कौर ने स्रोत व्यक्ति को दक्ष बनाया।

साक्षरता प्रवेशिका आखर झांपी का परिचय एवं पठन-पाठन की गतिविधियों को डॉ. मनीषा वत्स ने स्थानीय स्तर पर उतर कर रेत, पत्ती, डंडियों एवं अन्य सामग्रियों का उपयोग करते हुए 24 पाठों को एक लय में बांधा तथा प्रतिभागियों के समझ को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रौढ़ मनोविज्ञान को समझे बिना अभियान का सफल क्रियान्वयन संभव नहीं है, इसे ध्यान में रखते हुए प्रो. श्रीमती धारा यादव ने प्रतिभागियों को प्रौढ़ मनोविज्ञान व बाल मनोविज्ञान के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए साक्षरता में प्रौढ़ दृष्टिकोण के साथ कक्षा संचालन हेतु प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया। सहायक जिला परियोजना अधिकारी श्री चुन्नीलाल शर्मा स्वयंसेवी शिक्षकों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। कोरिया जिले के जिला परियोजना अधिकारी श्री उमेश जायसवाल ने इस अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी मॉनिटरिंग प्रबंध, सूचना तंत्र एवं मूल्यांकन को अपने अनुभव के आधार पर स्पष्ट किया साक्षरता में वातावरण निर्माण एवं जेण्डर पर श्री विनयशील ने अपनी बात रखी। इसी कड़ी में श्रीमती निधि अग्रवाल ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण से अपेक्षाएं तथा सुश्री नेहा शुक्ला द्वारा तीन दिवसीय प्रत्येक सत्र का संचालन किया गया।

मीडिया मे पढ़ई तुँहर दुआर.....

विशेष आयोजन

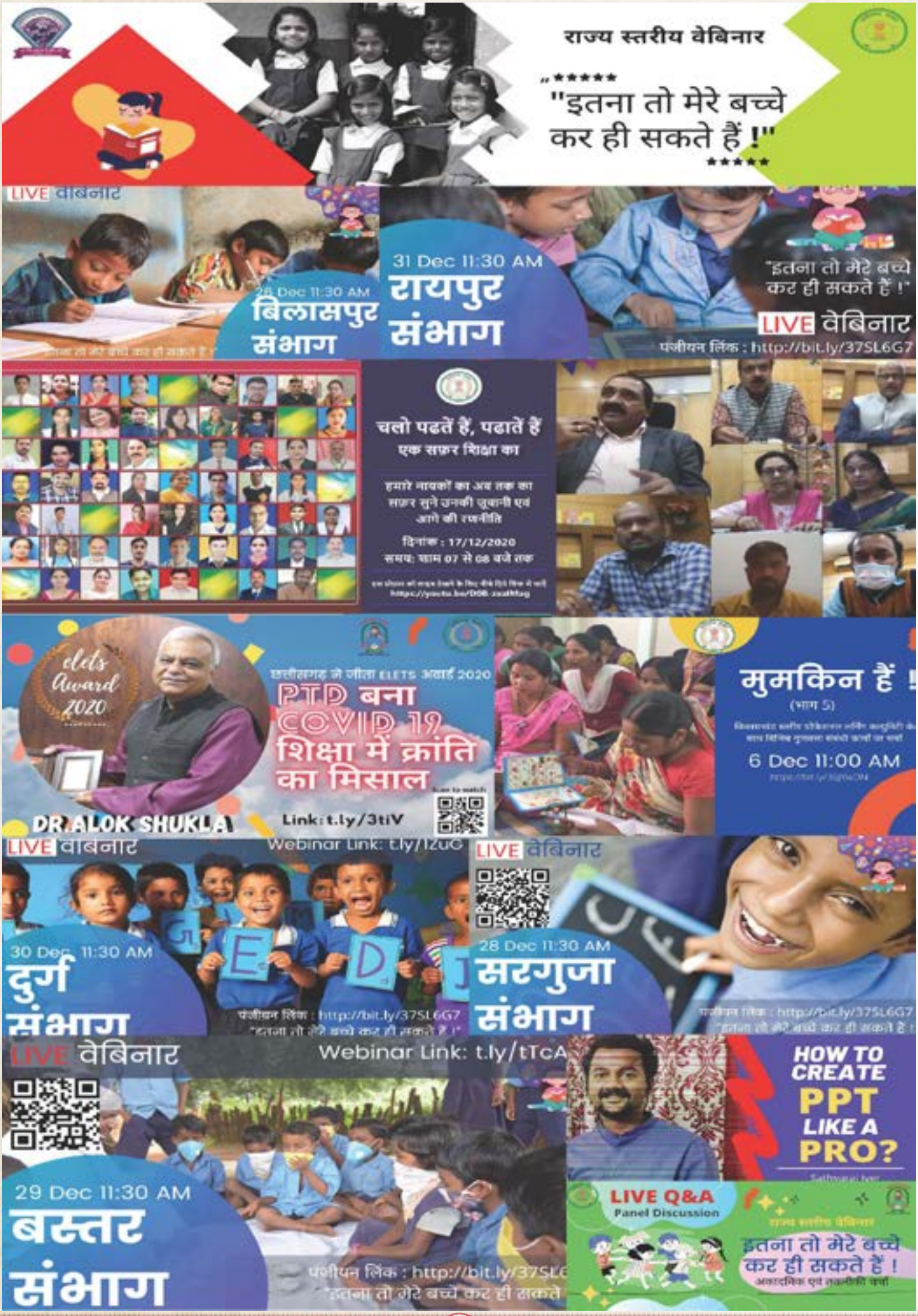

राज्य स्तरीय वेबिनार
"इतना तो मेरे बच्चे कर ही सकते हैं !"
LIVE वेबिनार
28 Dec 11:30 AM
बिलासपुर संभाग
31 Dec 11:30 AM
रायपुर संभाग
"इतना तो मेरे बच्चे कर ही सकते हैं !"
LIVE वेबिनार
पंजीयन लिंक : http://bit.ly/37SL6G7
चलो पढ़ते हैं, पढ़ाते हैं
एक सफ़र शिक्षा का
दिनांक : 17/12/2020
elets Award 2020
PTD बना COVID 19 शिक्षा में क्रांति का मिसाल
DR. ALOK SHUKLA
Link: t.ly/3tiV
मुमकिन हैं !
6 Dec 11:00 AM
LIVE वेबिनार
Webinar Link: t.ly/1ZuG
30 Dec 11:30 AM
दुर्ग संभाग
पंजीयन लिंक : http://bit.ly/37SL6G7
LIVE वेबिनार
28 Dec 11:30 AM
सरगुजा संभाग
पंजीयन लिंक : http://bit.ly/37SL6G7
LIVE वेबिनार
Webinar Link: t.ly/tTcA
29 Dec 11:30 AM
बस्तर संभाग
पंजीयन लिंक : http://bit.ly/37SL
HOW TO CREATE PPT LIKE A PRO?
LIVE Q&A
Panel Discussion
इतना तो मेरे बच्चे कर ही सकते हैं !

हमारे नायक - शिक्षक

संपादक मंडल

» डॉ. योगेश शिवहरे » ए. के . सोमशेखर » प्रशांत कुमार पांडेय » डॉ. एम. सुधीश
» डॉ. विद्यावती चंद्राकर » सत्यराज अय्यर » डॉ. जयभारती चंद्राकर

नीचे दिए बटन को क्लिक करके हमसे जुड़े

/PTDchhattisgarh

पढ़ई तुँहर दुआर

scert.del@gmail.com

t.me/ptdnews